केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा गाँव हाबड़ी में किसान मेले का सफल आयोजन।

आज दिनांक 5 अक्तूबर 2021 को केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा गाँव हाबड़ी (हरियाणा) में किसान मेला आयोजत किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय डा. गुरबचन सिंह अध्यक्ष, जी.बी.एस. फाउंडेशन व भूतपूर्व अध्यक्ष कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली ने किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने संस्थान में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी दी तथा कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों के परामर्श अनुसार खेती करनी चाहिये और संसथान द्वारा विकसित लवण सहनशील प्रजातियों का प्रयोग करना चाहिये। उन्होंने कहा कि महिलाओं को भी खेती के कार्यों में अधिक योगदान करना चाहिए इस से उनकी आय में वृद्धि होगी। किसानों को पराली को जलाने की बजाए कम्पोस्ट खाद बनाने में उपयोग करना चाहिये इससे खेती में लागत कम आती है और उत्पादन बढ़ता है साथ में मिट्टी की दशा का भी सुधरती है। उन्होंने खेती के साथ–साथ पशुपालन, मुर्गीपालन, फल उत्पादन, मछली उत्पादन करने की सलाह दी। उन्होंनें ने कहा कि भारत सरकार किसानों की आमदनी में वृद्धि हेतु प्रयास कर रही है और इस लक्ष्य को पूरा करने कं लिए संस्थान ने भी विभ्न्नि योजनाएं बनाई हैं जिनको शीघ्रता से कार्यरूप दिया जा रहा है। उन्होने किसानों से आह्वान किया कि संस्थान द्वारा विकसित प्रौधोगिकियों का उपयोग करके कृषक अपनी लागत कम कर सकते हैं। वे किसानों को लवणग्रस्त भूमियों के लिये धान, गेहूँ व सरसों की अधिक फसल देने वाली प्रजातियों का उपयोग करना चाहिये इसके लिये हमने मेले में ही बीज उपलब्ध करवाए गए हैं बीजों को किसान तत्काल खरीद सकते हैं।

इस मेले में क्षारीय भूमियों में अच्छी पैदावार देने वाली संस्थान में विकसित गेहूँ की केआरएल 210, केआरएल–213, केआरएल–283, एवं सरसों की, सीएस–56 सीएस–58 व सीएस–60 उन्नत एवं लवण सहनशील प्रजातियों के बीजों की बिक्री भी की गई। कृषि प्रदर्शनी व किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गई। किसानों द्वारा लाए गए मिट्टी व जल के नमूनों की निःशुल्क जांच की गई। इस अवसर वर महिला/पुरूष किसानो के लिए के लिये प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व लगभग 15 विजेताओं को पुरस्कार दिये गये। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

इस अवसर पर डा पी.आर. भटनागर, डा. रंजय कुमार सिंह, डा डी. एस. बुन्देला, डा. एम. जे. कलेढोणकर एवं जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनिल शर्मा, संस्थान के वैज्ञानिक व अधिकारीगण, 200 से अधिक महिला/पुरूष किसानों व कृषि वैज्ञानिक एवं प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। नोडल अधिकारी डा.अनिल कुमार ने किसान मेले का मंच संचालन किया।